'शिक्षा का उद्देश्य' निबन्ध के लेखक हैं–

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द (ii) सम्पूर्णानन्द
(iii) मोहन राकेश (iv) रामकृष्ण दास

लल्लू लाल की रचना है :

(i) सुख सागर (ii) प्रेम सागर
(iii) परीक्षा गुरू (iv) रानी केतकी की कहानी

'परदा' कहानी के लेखक हैं :

(i) प्रेमचन्द (ii) जयशंकर
(iii) अमरकान्त (iv) यशपाल

'आवारा मसीहा' के रचनाकार हैं :

(i) विष्णु प्रभाकर (ii) रामवृक्ष बेनीपुरी
(iii) राहुल सांकृत्यायन (iv) रांगेय राघव

'बाणभट्ट की आत्मकथा' के लेखक हैं :

(i) महावीर प्रसाद द्विवेदी (ii) सरदार पूर्ण सिंह
(iii) वासुदेव शरण अग्रवाल (iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी

'कामायनी' किस युग की रचना है–

(i) द्विवेदी युग (ii) छायावादी युग

(iii) भारतेन्दु युग (iv) प्रगतिवाद युग

निम्नलिखित कवियों में से कौन प्रगतिवादी युग का है–

(i) अग्रदास (ii) तुलसीदास

(iii) नन्ददास (iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है:

(i) 1941 ई0 (ii) 1943 ई0

(iii) 1954 ई0 (iv) 1947 ई0

द्विवेदीयुग की रचना नहीं है–

(i) प्रियप्रवास (ii) साकेत

(iii) भारत–भारती (iv) कामायनी

निम्नलिखित में से कौन सी कृत महाकाव्य नहीं है–

(i) रामचरित मानस (ii) साकेत

(iii) पदमावत (iv) मामा

'कल्पलता' निबन्ध-संग्रह है–

(i) हरिशंकर परसाई का
(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' का
(iii) प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी का
(iv) वासुदेवशरण अग्रवाल का।

कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की 'बाजे पायलिया के घुँघरू' किस विधा की रचना है?

(i) संस्मरण
(ii) ललित निबन्ध
(iii) रेखाचित्र
(iv) लघुकथा।

निम्न में से कौन हजारीप्रसाद द्विवेदी का उपन्यास नहीं है?

(i) 'चारु-चन्द्र-लेख'
(ii) 'पुनर्नवा'
(iii) 'अनामदास का पोथा'
(iv) 'तट की खोज'।

निम्न में से 'मेरे विचार' कृति के लेखक हैं?

(i) प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी
(ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(iii) 'अज्ञेय'
(iv) हरिशंकर परसाई।

निम्नलिखित में से 'हरिशंकर परसाई' की रचना है–

(i) 'सन्नाटा'
(ii) 'विचार और वितर्क'
(iii) 'तब की बात और थी'
(iv) 'जिन्दगी मुस्कराई'।

'हरिऔध' जी का 'प्रियप्रवास' है–

(i) संयोग शृंगार पर आधारित महाकाव्य (ii) शान्त रस पर आधारित खण्डकाव्य
(iii) विप्रलम्भ शृंगार पर आधारित महाकाव्य (iv) स्फुट गीतों का क्रमबद्ध संकलन।

निम्न में से 'मैथिलीशरण गुप्त' की रचना नहीं है–

(i) 'सिद्धराज' (ii) 'इत्यलम्' (iii) 'अनघ' (iv) 'प्रदक्षिणा'।

जयशंकर प्रसाद के महाकाव्य 'कामायनी' में सर्गों की संख्या है–

(i) सात (ii) बारह (iii) पन्द्रह (iv) सत्रह।

रामधारी सिंह 'दिनकर' को उनकी काव्यकृति 'उर्वशी' पर पुरस्कार मिला था–

(i) 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' (ii) 'भारत भारती पुरस्कार'
(iii) 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' (iv) 'सोवियत लैण्ड नेहरू पुरस्कार'।

सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' किस 'सप्तक' में संगृहीत हैं?

(i) 'तारसप्तक' में (ii) 'दूसरा सप्तक' में
(iii) 'तीसरा सप्तक' में (iv) 'चौथा सप्तक' में।

वासुदेवशरण अग्रवाल द्वारा लिखित कृति है :

(i) पुनर्नवा (ii) पृथिवीपुत्र

(iii) आलोक पर्व (iv) धरती के फूल

प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी लेखक हैं :

(i) सदाचार की ताबीज (ii) साहित्य का श्रेय और प्रेय

(iii) मेरे विचार (iv) मंथन

यशपाल कृत 'सिंहावलोकन' रचना की विधा है :

(i) आत्मकथा (ii) रेखाचित्र

(iii) संस्मरण (iv) कहानी

'निराला की साहित्य साधना' के लेखक हैं :

(i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (ii) महादेवी वर्मा

(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (iv) डॉ. राम विलास शर्मा

आलोचनात्मक कृति 'साहित्य सहचर' के लेखक हैं :

(i) रामचन्द्र शुक्ल (ii) श्यामसुन्दर दास

(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी (iv) हरिशंकर परसाई

हिन्दी साहित्य का प्रथम कवि माना जाता है :

(i) शबरपा (ii) देवसेन

(iii) सरहपा (iv) खुमाण रासो

'नई कविता युग' की रचना है :

(i) यामा (ii) खुशबू के शिलालेख

(iii) प्रलय-सृजन (iv) पुरूरवा

'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है :

(i) 1954 (ii) 1943

(iii) 1938 (iv) 1936

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा प्रकाशित पत्रिका है :

(i) सरस्वती (ii) कल्पना

(iii) कविवचन सुधा (iv) ज्ञानोदय

रीतिकाल की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रवृत्ति है :

(i) राज-प्रशस्ति (ii) श्रृंगारिकता

(iii) रीति-निरूपणता (iv) नीति

बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' द्वारा सम्पादित पत्रिका है :

(i) 'आनन्द कादम्बिनी' (ii) 'दिनमान'

(iii) 'साप्ताहिक हिन्दुस्तान' (iv) 'आजकल'

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के लेखक हैं :

(i) रामकुमार वर्मा (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) बालकृष्ण भट्ट (iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी

'अशोक के फूल' निबन्ध के लेखक हैं :

(i) रामचन्द्र शुक्ल (ii) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) विद्यानिवास मिश्र (iv) रामविलास शर्मा

'प्रेमचन्द' की कहानी का नाम है :

(i) 'कफन' (ii) 'गुंडा'

(iii) 'रोज' (iv) 'चीफ़ की दावत'

'विद्यानिवास मिश्र' निबन्धकार हैं :

(i) ललित निबन्ध के (ii) विचारात्मक निबन्ध के

(iii) मनोवैज्ञानिक निबन्ध के (iv) भावनात्मक निबन्ध के

'पृथ्वीराज रासो' का रचनाकाल है :

(i) वीरगाथा काल (ii) भक्ति काल

(iii) रीति काल (iv) आधुनिक काल

'ज्ञानाश्रयी शाखा' के प्रमुख कवि हैं :

(i) तुलसीदास (ii) सूरदास

(iii) कबीरदास (iv) जायसी

'कामायनी' के प्रथम सर्ग का नाम है :

(i) 'चिन्ता' (ii) 'आशा'

(iii) 'श्रद्धा' (iv) 'इड़ा'

सुमित्रानन्दन पन्त सुकुमार कवि हैं :

(i) प्रकृति के (ii) शृंगार के

(iii) ज्ञान के(iv) भक्ति के

'राम की शक्ति पूजा' कविता के रचयिता हैं :

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (iv) 'अज्ञेय'

'विनय पत्रिका' किस काल की रचना है?

(i) आदि काल (ii) भक्ति काल

(iii) रीति काल (iv) आधुनिक काल।

छायावाद की विशेषता है :

(i) उपदेशात्मक वृत्ति (ii) इतिवृत्तात्मकता

(iii) सौन्दर्य और प्रेम (iv) श्रृंगार वर्णन।

निम्नलिखित में से 'हरिऔध' की रचना नहीं है

(i) 'चुभते चौपदे' (ii) 'रस कलश'

(iii) 'वैदेही वनवास' (iv) 'अनघ'।

निम्नलिखित में एक चम्पू काव्य है :

(i) 'पंचवटी' (ii) 'द्वापर'

(iii) 'यशोधरा' (iv) 'सिद्धराज'।

'अष्टछाप' के कवि नहीं हैं :

(i) परमानन्ददास (ii) गोविन्द स्वामी

(iii) ईश्वरदास (iv) नन्ददास।